पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने एन0बी0आर0आई0 में प्रदूषण पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया

लखनऊः 27 नवम्बर, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज केन्द्रीय औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान में इण्टरनेशनल सोसायटी आॅफ इन्वायरमेन्टल बाॅटनिस्ट्स द्वारा पौधों व पर्यावरण पर आयोजित छठे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन में 21 देशों के प्रतिनिधियों सहित राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकों ने सहभाग किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने संस्थान के जर्नल व न्यूजलेटर का भी लोकार्पण किया।
राज्यपाल ने कहा कि यह प्रशंसा की बात है कि भारत के साथ 21 देशों से आये प्रतिभागीगण आज लखनऊ के राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान में प्रदूषण और पर्यावरण पर गहन चिंतन करके पूरी मानवता के लिये उसका समाधान निकालने का प्रयास करेंगे।
राज्यपाल ने विश्वास जताया कि संगोष्ठी में होने वाले विचार-विमर्श का लाभ उठाकर वैज्ञानिक पर्यावरणीय समस्याओं को कम करने के लिये समुचित तकनीकों को भलीभांति विकसित कर सकेंगे। उन्होंने वनों के संरक्षण और पौधा रोपण के महत्व को बताते हुये कहा कि पौधे आक्सीजन प्रदान करके पर्यावरण की सफाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
श्री नाईक ने कहा कि प्रदूषण और पर्यावरण परितवर्तन से किसानों की समस्याओं में बढ़ोत्तरी हुई है जिसके कारण खेती-किसानी भी प्रभावित हो रही है। प्रकृति से होने वाली छेडछाड़, जंगलों के कटान और अनियंत्रित औद्योगिकरण के कारण पूरी मानवता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। राज्यपाल ने बढ़ते हुये प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की। उन्होंनेे यूनिवर्सिटी आॅफ शैफील्ड के एक अध्ययन का हवाला देते हुये कहा कि ऐसा पाया गया है कि पौधों की पत्तियाँ खतरनाक कैमिकल का निर्माण करती हैं तथा इन पत्तियों को खाने वाले कीटों का विकास उचित ढंग से नहीं हो पाता।
राज्यपाल ने इस अवसर पर आई0एस0ई0बी0 फैलोज के लिये डा0 देवाशीष चक्राबर्ती, प्रो0 कुसुम अरूणांचलम, डाॅ0 राजेश बाजपेई, डाॅ0 संजय द्विवेदी, डाॅ0 सीमा मिश्रा, प्रो0 सूर्यकांत, प्रो0 एरविन ग्रिल, प्रो0 लिना क्यू0 मा, प्रो0 उमाशंकर को सम्मानित किया तथा 'यंग साइंटिस्ट अवार्ड' से डा0 अमित कुमार को सम्मानित किया। राज्यपाल ने विदेश से आये हुये मेहमान वैज्ञानिकों को उत्तर प्रदेश और लखनऊ की विशेषता बताते हुये यहाँ की ऐतिहासिक इमारतों और खान-पान की भी चर्चा की।
कार्यक्रम में राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के निदेशक प्रो0 एस0के0 बारिक ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा डा0 के0जे0 अहमद द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में जर्मनी से आये वैज्ञानिक प्रो0 एलबर्ट रिफ ने भी अपने विचार रखे।

अंजुम/ललित/राजभवन (464/45)

ational Botanical Research Institute, Lucknow
Welcomes
Shri Ram Naik,
Hon'ble Governor, Uttar Pradesh
to
Hon'ble Shri Ram Naik
Governor
Prof. Albert Reif

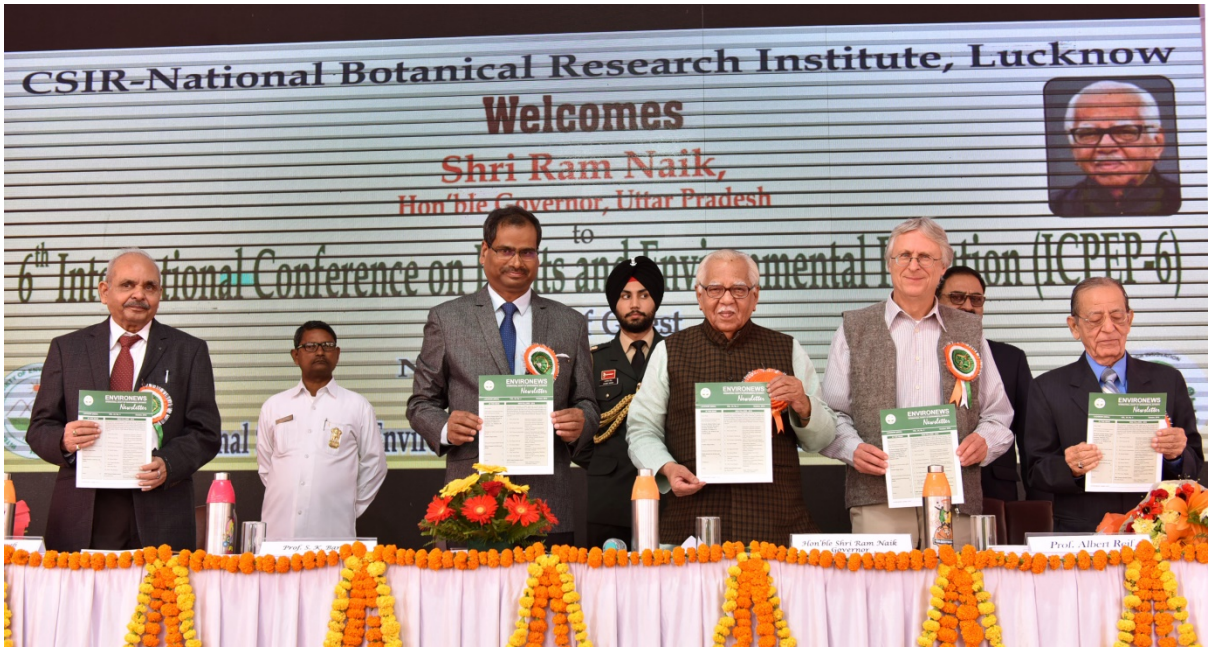
CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow
Welcomes
Shri Ram Naik,
Hon'ble Governor, Uttar Pradesh
to
Hon'ble Shri Ram Naik
Prof. Albert Reif